वार्तालाप-557, लखनऊ (उ.प्र.), दिनांक 29.04.08
Disc.CD No.557, dated 29.4.08 at Lucknow (Uttar Pradesh)

समयः 07.22-08.05

जिज्ञासुः बाबा, राधा को प्रत्यक्षता रूपी जन्म देने के निमित्त कौन बनेगा? जैसे संगमयुगी कृष्ण को कोई बना ना? जो बाबा ने बताया। ऐसे राधा को...

बाबाः राधा की संगी सहेलियों में कोई प्रधान होगी कि नहीं होगी? जैसे सीढ़ी के चित्र में चार दिखाए गये हैं मुखिया। उनमें राम का जो प्रधान सहयोगी है वो कौन रहता है? (किसी ने कहा- राम का जो भाई; भरत।) फिर? ऐसे ही जो राधा की सखियां दिखाई गई हैं उनमें भी कोई मुखिया होगी कि नहीं होगी? ऐसे ही। संग साथ ज्यादा कौन रहेगा? जो ज्यादा जितना संग का रंग करता है उसको वैसा ही रंग भी लगता है। उतनी पावर भी मिलती है।

Time: 07.22-08.05

Student: Baba, who will become instrument for giving a revelation like birth to Radha? Just as someone became [instrument for giving a revelation like birth] to the Confluence Age Krishna, didn't he? Similarly, in the case of Radha…

Baba: Will there be a chief among the companions and friends of Radha or not? For example, four chiefs have been shown in the picture of the Ladder. Among them who is the one who is the main helper of Ram? (Someone said: Ram's brother; Bharat.) Then? Similarly, the friends of Radha that have been shown; will there be a chief among them too or not? Similar [is the case with Radha]. Who will remain in her company more? The more someone remains in [somebody's] company, he is also coloured [by that one] in the same way, he also gets that much power.

समयः 08.50-11.45

जिज्ञासुः डबल विदेशी का बाबा बेहद में क्या अर्थ है?...

बाबाः हद के विदेशी का क्या अर्थ है, डबल विदेशी का? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, यहाँ भारत में से निकाले गए। विदेश में चले गए। तो सिंगल विदेशी हो गये। फिर वहाँ से भी अगर निकाल दिये जाएं, तो डबल विदेशी हो गए। ऐसे ही, यहाँ जो लौकिक दुनिया को छोड़ करके बेसिक में आ गए तो सिंगल विदेशी तो हो ही गए। वास्तव में अगर पक्के स्वदेशी होते, वैष्णवी देवी की तरह, तो वैष्णवी देवी जैसे अपना लौकिक परिवार नहीं छोड़ती है; कि छोड़ती है? इतना प्यार भरा रहता है कि लौकिक परिवार वालों को छोड़ नहीं सकती और लौकिक परिवार वाले भी उसको छोड़ नहीं सकते। क्या? तो सिंगल विदेशी भी नहीं। तो डबल विदेशी होने की तो बात ही खतम। लेकिन कोई सिंगल विदेशी भी होते हैं। फट से त्याग देते हैं। हमें कुछ लेना देना नहीं, मरो। बाप तो मुरली में कहते हैं पहले घर का सुधार फिर पर का सुधार। तो सन्यासी बने या पक्के गृहस्थी हुए? क्या हुए? सन्यासी हो गए। प्यार तो है नहीं भरपूर सौ परसेन्ट आखरी जीवन में तो धक् से लात मार लेते हैं या उनको घरवाले लात मार देते हैं स्वभाव, संस्कार के आधार पर।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 08.50-11.45
Student: Baba, what is the meaning of the double foreigners (*videshi*) in an unlimited sense?....
Baba: What is the meaning of the foreigners in a limited sense; the double foreigners? (Student said something.) Yes, they were banished from here [i.e.] India and they went abroad. So, they are single foreigners. Then, if they are banished from there as well, then they are double foreigners. Similarly, here, those who left the *lokik* world and came to the basic (knowledge), then they certainly are single foreigners. Actually, had they been firm *swadeshi* (Indian) like Vaishnavi devi, then just as Vaishnavi devi does not leave her *lokik* family; or does she leave it? She has so much love for it that she cannot leave the members of her *lokik* family. And the members of the *lokik* family cannot leave her either. What? So, she is not even single foreigner. So, the question of being a double foreigner does not arise at all. But there are some single foreigners also. They renounce (the outside world) immediately: we have nothing to do with you. May you die. The Father says in the *Murli,* "First the reformation of the home and then the reformation of others will take place. So, did they become *sanyasis* or firm householders? What are they? Hm? They happen to be *sanyasis*. They do not have a lot of love, hundred percent love [for their family] in their last birth so, they kick (the *lokik* family) without hesitation. Or the members of their family kick them out because of their nature and *sanskars*.

फिर दूसरे होते हैं वो जो लौकिक जीवन से भी धक्का खाते हैं और अलौकिक ब्राह्मण परिवार जो बेसिक का बनता है उससे भी धक्का खा जाते हैं। तो कैसे विदेशी हो गए? डबल विदेशी। यहाँ कैसे बैठे हुए हैं सब? (सबने कहा – डबल विदेशी।) हँ? यहाँ भी नंबरवार हैं। क्या? कोई ऐसा है कि नहीं जो लौकिक परिवार में भी निभाए रहा हो और अलौकिक परिवार में भी निभाय रहा हो और फिर ये जो ब्राह्मण परिवार बना है एडवांस का, बेहद का, इसमें भी निभाए रहा हो?

Then the second kind of persons is those who are pushed out from the *lokik* life as well as the *alokik* Brahmin family which is formed in the basic (knowledge). So, what foreigners are they (*videshi*)? Double foreigners. What kind of people are sitting here? (Everyone said: double foreigners.) Hm? Even here all are number wise. What? Is there anyone who must be maintaining relationship with the *lokik* family as well as the *alokik* family, who must be maintaining relationship with this unlimited Brahmin family of the Advance (party) too?

समयः 13.00-15.15
जिज्ञासुः बाबा, एक कैसेट में बोला कि जो रोज क्लास नहीं करते वो श्रीमत पर नहीं। कई भाई-बहन ऐसे हैं जो यज्ञ सेवा में इतने बिजी रहते हैं जो उस समय क्लास नहीं कर पाते। आगे-पीछे क्लास करते हैं। तो क्या उसको डेली क्लास कही जाएगी? या फील्ड में सेवा करते हैं उस समय क्लास नहीं कर पाते जब पूरी क्लास चलती है।
बाबाः फील्ड में सेवा करने वाले मान लो सारे दिन के बीच में एक व्यक्ति को कोर्स देते हैं। तो बाबा की बताई हुई बातें उन्होंने दूसरों को सुनाई तो उनका रिवाइज नहीं हो गया ज्ञान? मुरली नहीं चलाई? मुरली से बाहर चले गए क्या? मुरली पर मनन-चिंतन-मंथन नहीं किया? प्रैक्टिकल जीवन में सेवा नहीं की? अरे?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 13.00-15.15
Student: Baba, it has been said in a cassette that those who do not attend the class daily, are not following *shrimat*. There are many brothers and sisters like this who remain so busy in the service of the *yagya* that they are not able to attend the class at that time. They attend the class before or after [the scheduled time]. So, will that be called a daily class? Or there are some who serve in the field and they are unable to attend the class at that time when the complete class is organized.
Baba: Those who do service in the field; suppose they give course to a person in the entire day; so, when they narrated the versions spoken by Baba to others; did they not revise the knowledge? Did they not narrate the *Murli*? Did they sidetrack from the Murli? Did they not think and churn over the *Murli*? Did they not do service in their practical life? Arey?

जिज्ञासुः मुरली क्लास जब चलती है तो....
बाबाः मुरली-मुरली। मुरली क्या पढ़ने को ही मुरली कहा जाता है?
जिज्ञासुः माना जब सीडी क्लास चलती है उस समय नहीं बैठ पाते हैं।
बाबाः अरे दो आदमी मिल करके बैठे तो क्लास कहेंगे कि नहीं कहेंगे? क्लास माना क्या है? क्लास माना संगठन। दो मिल करके एक हो गए। एक ने दूसरे की बात सुनी। दूसरे ने दूसरे को समझाई और दोनों के स्वभाव-संस्कार मिल करके एक हो रहे हैं तो संगठन माना क्लास बन रहा है कि नहीं? क्लास माना क्या? क्लास माने संगठन।

Student: When the *Murli* class is organized….
Baba: *Murli-Murli*. Is only reading a *murli* called *murli* [class]?
Student: They are unable to sit in the class when the CD is played.
Baba: Arey, if two people sit together, will it be called a class or not? What is meant by class? Class means *sangathan* (gathering). When two people became one, one listened to the other, the second person explained to the other person and the nature and *sanskars* of both are harmonizing and becoming one, then is it forming a *sangathan* i.e. a class or not? What is meant by class? Class means *sangathan* (gathering).

जिज्ञासुः जैसे यज्ञ सेवा में कोई बहन है या कोई माताजी है, मानलो यज्ञ सेवा किचन डिपार्टमेन्ट में है और रोज ही उसकी खाना बनाने की सेवा है। तो वो तो रोज मुरली नहीं सुन पायेगी उस समय तो। तो उसकी मुरली कैसे मानी जाएगी? रोजी क्लास कैसे मानी जाएगी?
बाबाः जो ईश्वर की सेवा में लगा हुआ है उसको ईश्वर याद आएगा या जो इंचार्ज ब्रह्माकुमारी है उसके आर्डर पर चल रही है?
जिज्ञासुः ईश्वर की याद...
बाबाः अगर इंचार्ज ब्रह्माकुमारी की सेवा कर रही है तब तो नहीं कहेंगे क्लास किया। अगर शिवबाबा की याद में चल रही है और शिवबाबा की ही सेवा कर रही है तो उसकी बुद्धि में ज्ञान जरूर चलेगा।

Student: Suppose a sister or a mother engaged in the service of *yagya* is working in the kitchen department and has the service of cooking everyday then she will not be able to listen to the *murli* everyday at the scheduled time. How will she be considered to have listened to the *murli*? How will she be considered to have attended the daily class?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Will the one who is busy in the service of God remember God or is she following the orders of the in charge Brahma kumari?
Student: God's remembrance…
Baba: If she is serving the in charge Brahma kumari, then it will not be said that she attended the class. If she is working in Shivbaba's remembrance and if she is serving Shivbaba alone, then the knowledge will certainly go on in her intellect.

समयः 15. 20-16.25

जिज्ञासुः बाबा, कैसेट में बोलते हैं कि मन-बुद्धि के भी सरेण्डर हैं, कागज़-पत्र के भी सरेण्डर हैं।
बाबा: बिल्कुल।
जिज्ञासु: तो कागज़-पत्र के भी सरेण्डर हैं, मन-बुद्धि के भी सरेण्डर हैं।
बाबाः मन-बुद्धि से सरेण्डर पहले माया होती है।
जिज्ञासुः तो कागज़ पत्र वालों के सरेण्डर को विशेष मान्यता दी जाती है।
बाबाः बाकी जो रुद्र माला के मणके हैं वो सब कागज़-पत्र से परे हैं अभी।
जिज्ञासुः जो कागज़-पत्र में आ जाते हैं वो विशेष सरेण्डर माने जाते हैं।
बाबाः बता दिया ना माया पहले सरेण्डर होती है मन-बुद्धि से। एक भी मनमत नहीं चलाएगी फिर। जो बाबा का डायरेक्शन वो ही करेगी। अभी तो संकल्प चलता है ना? अरे, ऐसा करेंगे तो ऐसा हो जाएगा, वैसा करेंगे तो वैसा हो जाएगा, अरे, ऐसे कैसे हो सकता है? ये रुद्र माला के मणके हैं। बुद्धिमान बाप के बुद्धिवान बच्चे हैं। इनको अपनी-अपनी बुद्धि का अहंकार रहता है।

Time: 15.20-16.25
Student: Baba says in the cassettes that there are those who have surrendered themselves through their mind and intellect as well as those who have surrendered themselves on the basis of papers (surrender letter).
Baba: Certainly.
Student: So, there are those who have surrendered themselves on the basis of papers as well as those who have surrendered themselves through their mind and intellect.
Baba: It is *Maya* who surrenders herself through the mind and intellect first.
Student: But special importance is given to those who surrender themselves on the basis of papers.
Baba: As for the rest all the beads of the *Rudramala* (rosary of Rudra) are beyond papers now.
Student: Those who surrender themselves on the basis of papers are considered to be specially surrendered.
Baba: This has already been said, hasn't it, that it is *Maya* who surrenders herself through mind and intellect first? Then she will not follow the opinion of her mind. She will act as per Baba's directions only. Now such thoughts come, don't they? "Arey, if we do like this, it will happen like this! If we do like that it will happen like that. Arey, how can it happen like this?" These are the beads of the *Rudramala*. They are the intelligent children of the intelligent Father. They are egotistical about their intellect.

समयः 18.55-20.37

जिज्ञासुः संगठन जब होता है तो कितने घंटे तक की दूर की आत्माओं को वीकली संगठन में या मंथली संगठन में बुला सकते हैं? कितने दूर तक की आत्माओं को?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः जो मासिक संगठन होते हैं या त्रैमासिक संगठन होते हैं या पाक्षिक संगठन होते हैं उनमें तीन-चार घंटे से ज्यादा दूरी वाली आत्माओं को बुलाना उनका वेस्टेज ऑफ टाइम, मनी, एनर्जी खर्च करना है। अब जैसे नॉर्थ इंडिया में है; नॉर्थ इंडिया में तो मिनी मधुबन ही एक है तो जरूर झांसी वाले भी आने की इच्छा करेंगे, बलिया वाले भी आने की इच्छा करेंगे। तो उनको ना कर दिया जाए क्या? एक फिक्स नियम नहीं बनाया जा सकता। बाकी एक सामान्य रूप से बात कही जा सकती है कि ३-४ घंटे से ज्यादा लंबा सफर करके आने वालों के लिए उनको बुलाना, उनको जबरदस्ती करना कि आना ही पड़ेगा, ये कोई जरूरी नहीं है। आने-जाने में पैसे भी खर्च होते हैं, टाइम भी जाता है, अपनी तनख्वाह भी कटवानी पड़ती है, गरीबी अमीरी भी देखी जाती है।

Time: 18.55-20.37
Student: When a *sangathan* is organized, souls living at a distance of how many hours journey can be called to the weekly or monthly *sangathan*? Souls living how far [can be called]?
Baba: If souls living at a distance involving more than 3-4 hours journey are called to the monthly *sangathan*, quarter yearly *sangathan* or fortnightly *sangathan*, then it is wastage of their time, money and energy. Well, for example like it is in north India; there is only one *mini madhuban* in north India. So, definitely those living in Jhansi (a city of U.P. State) will also wish to come, those from Baliya (another city of U.P. State) will also wish to come. Then should they be denied permission? A fixed rule cannot be made. But a general thing can be said that it is not necessary to call those who have to travel for more than 3-4 hours or to force them [saying:] "You will have to come". It requires money to travel, time is also spent; one has to cause deduction of the salary also. You should see their financial condition as well.

समयः 25.50-26.40
जिज्ञासुः बाबा, जैसे बेसिक में निराकार को याद करते थे परमधाम में और अब यहाँ साकार में बाबा हैं। तो दोनों याद आते हैं। रथ भी याद आता है, निराकार भी। तो कौनसी याद अच्छी है?
बाबाः अरे दोनों साथ-साथ याद आते हैं कि जब रथ याद आता है तो रथ में ही बैठे हुए हैं और जब निराकार याद आता है तो बिन्दी में ही बैठे हुए हैं?
जिज्ञासुः दोनों याद आता है।
बाबाः दोनों साथ-साथ याद आते हैं या अलग-अलग करके याद आते हैं?
जिज्ञासुः अलग-अलग आते हैं, जैसे कभी बिन्दी आती है तो कभी साकार आता है।
बाबाः हाँ, तो कभी सन्यासी बन जायेंगे, कभी गृहस्थी बन जायेंगे। कभी जंगलों में मारे-मारे फिरना, कभी गृहस्थियों के बीच में रहना। शूटिंग हो रही है। कभी विदेशी बन जाना, कभी पक्के स्वदेशी बन जाना।

Time: 25.50-26.40
Student: Baba, for example, we used to remember the incorporeal one in the basic (knowledge) in the Supreme Abode. And here Baba is present in a corporeal form. So, I remember both. I remember the chariot as well as the incorporeal one. So, which way of remembrance is good?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Arey, do you remember both of them together or is it that when you remember the chariot you focus only on the chariot and when you remember the incorporeal one, you focus only on the point?
Student: I remember both.
Baba: Do you remember both simultaneously or separately?
Student: I remember them separately; sometimes I remember the point and sometimes the corporeal one.
Baba: Yes, so, sometimes (i.e. in some births) you will become a *sanyasi* and sometimes you will become a householder. Sometimes wander in the jungles and sometimes stay amidst the householders. The shooting is taking place. Sometimes become foreigners (*videshi*) and sometimes become firm Indians (*swadeshis*).

समयः 29.00-30.15

जिज्ञासु ने अकेले ज्ञान में चलने वालों की खान-पान की समस्या के बारे में कुछ पूछा।

बाबाः तो फल खत्म हो गये? डबलरोटी दूध खत्म हो गया क्या? दूध और डबलरोटी तो हर जगह मिल जाती है। मुरली में बोला है लाचारी हालत में मशीनमेड जो डबलरोटी है, ब्रेड वो हर जगह मिल जाता है। (किसी ने कहा: ब्रेड तो बाबा ने मना किया है।) बाबा ने मना नहीं किया है। लाचारी हालत में, जैसी ये हालत बता रहे हैं कि परिवार में कोई नहीं हैं अकेले हैं और बीमार पड़ जाते हैं (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) तो ये किसने कहा कि तुम उनको काम में न लाओ। (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) हाँ, खान-पान में, तुम उनसे ब्रेड मत मंगवाओ ये किसने कहा? जब अच्छे थे, स्वस्थ थे तो लौकिक परिवार वालों को सहयोग देते थे या नहीं देते थे? (जिज्ञासु ने कहा: देते थे।) देते थे। तो तुम्हारी बीमारी में वो तुम्हारी डबलरोटी लाकर नहीं देंगे? (जिज्ञासुः देंगे।) फिर क्या बात ?

Time: 29.00-30.15
A student asked something about the problem of food being faced by those who follow the path of knowledge alone in a family.
Baba: Are there no fruits? Are bread and milk not available? Milk and bread is available everywhere. It has been said in the *Murli* that you can get machine made bread everywhere in case of circumstances where you are helpless. (Someone said: Baba has prohibited [eating] bread.) Baba has not prohibited. If you are in a helpless circumstance, just as the one he is describing that there is nobody in the family (who follows the path of knowledge), if he is alone and falls sick… (The student said something); so who told you that you should not take their services (The student said something) Yes, with regard to food and drinks, who told you that you should not ask them to fetch bread? Who said this? When you were healthy did you cooperate with the members of your *lokik* family or not? (Student said: We did.) You did. So, when you are ill, will they not fetch bread for you? (Student: They will.) Then what is the matter?

समयः 30.50-32.15

जिज्ञासुः बाबा, झांसी कैसेट में कहा कि शिव बाप सदा कल्याणकारी है।

बाबाः हाँ।

जिज्ञासुः लेकिन राम रावण बन जाता है।

बाबाः हाँ।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः तो ये कैसे कहा कि राम रावण बन जाता है?

बाबाः वो कल्याणकारी नहीं है?

जिज्ञासुः शिव बाप कल्याणकारी है।

बाबाः दुनिया में जो रावण सम्प्रदाय हैं, जो अपनी ही चलाते हैं, मनमत ही चलाते रहते हैं अंत तक और शिवबाप की बात पर नहीं चलते हैं। उनका परिवर्तन कौन करेगा?

जिज्ञासुः राम करेगा?

बाबाः शिव बाप करेगा? वो कल्याणकारी बात नहीं हुई?

Time: 30.50-32.15
Student: Baba, it has been said in the cassette of Jhansi that the Father Shiva is always benevolent.
Baba: Yes.
Student: But Ram becomes Ravan.
Baba: Yes.
Student: So, how was it said that Ram becomes Ravan?
Baba: Is he not benevolent?
Student: The Father Shiva is benevolent.
Baba: The members of the community of Ravan in the world who follow their own opinion, who continue to follow only the opinion of their mind till the end and do not follow the directions of the Father Shiva; who will transform them?
Student: Will Ram transform them?
Baba: Will the Father Shiva transform them? 31.24 Is that not a benevolent task?

जिज्ञासुः राम रावण कैसे बन जाता है?

बाबाः हाँ, जी। राम रावण तब बनता है जब दुनिया में सारी दुनिया रावण बन जाती है।

जिज्ञासुः राम भी रावण बन जाता है?

बाबाः तब राम (को) भी रावण बनना पड़ता है। मैं भी ड्रामा के बन्धन में बांधा हुआ हूँ। तो जब बाप ड्रामा के बंधन में बांधा हुआ है, तो बाप का अव्वल नंबर बच्चा होगा, वो ड्रामा के बंधन में नहीं बंधेगा?

जिज्ञासुः किस हद तक? राम रावण बन जाता है – किस हद तक?

बाबाः सौ परसेन्ट। आत्मिक स्थिति में रहने वाला सारी दुनिया की भी हत्या कर दे तो भी उसके ऊपर कोई पाप नहीं चढ़ता।

जिज्ञासुः राम, राम?

बाबाः राम, राम; राम, राम करो।

Student: How does Ram become Ravan?
Baba: Yes, Ram becomes Ravan when the entire world becomes Ravan.
Student: Does even Ram become Ravan?
Baba: Even Ram has to become Ravan at that time. I am also bound in the bondage of drama. So, when the Father [Himself] is bound in the bondage of drama, then will the number one child of the Father not be bound in the bondage of drama?
Student: To what extent? To what extent does Ram become Ravan ?

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Baba: Hundred percent. The one who remains in a soul conscious stage does not accumulate any sin even if he kills the entire world.
32.08 Student: Ram, Ram...
Baba: Ram, Ram; chant Ram, Ram ☺.

समयः 32.18-33.20

जिज्ञासुः बाबा, ओमशान्ति का मतलब क्या है?

बाबाः आ, उ, म। आ माने ब्रह्मा, अपने अंदर ब्रह्मा के रूप में अच्छे गुणों को स्थापन करना। वो ब्रह्मा का काम हो गया आत्मा का। ऊ माना विष्णु, जो अच्छे गुण स्थापन किये हैं उनकी पालना करना, बनाए रखना, खत्म न होने देना। वो विष्णु का काम है। वो आत्मा विष्णु के रूप में भी पार्ट बजाती है और म माना महेश। माना महेश शंकर के रूप में जो दुर्गुण हैं उनको खलास कर देना, विनाश कर देना। ये आत्मा महेश का भी पार्ट बजाती है। ये तीन कार्य करने वाली कार्यकर्ता आत्मा उसका नाम है आ, ऊ, म ओम और शान्ति। इस तरह अपनी आत्मा को सदैव शान्त स्वरूप ऐसी स्टेज में रखना। अशान्त न होने देना।

Time: 32.18-33.20
Student: Baba, what is the meaning of Om shanti…?
Baba: *Aa, oo, ma*. *Aa* means Brahma [i.e.] to establish good virtues in yourself in the form of Brahma. That is a soul's task [in the form] of Brahma. *Oo* means Vishnu [i.e.] to sustain, to maintain the good virtues that we have established and not allow them to perish. That is Vishnu's task. The soul plays a part in the form of Vishnu as well. And *ma* means Mahesh [i.e.] to end, to destroy the bad traits in the form of Mahesh, i.e. Shankar. The soul plays a part of Mahesh as well. The name of the performer soul which performs these three tasks is *aa, oo, ma*, *aum*; and *shanti*. To keep our soul always in a peaceful stage like this [and] not allow it to become disturbed.

समयः 34.55-35.42

जिज्ञासुः श्वास रोकने से आयु बढ़ जाती है....?

बाबाः अनुभव करो कि जब ज्यादा गहरी याद होती है तो उसमें श्वास-प्रश्वास धीमी हो जाती है या नहीं? (सभी- धीमी हो जाती है।) तो याद की एक ऐसी स्टेज भी आयेगी जिसमें न खाना खाने की दरकार रहेगी, न श्वास लेने की दरकार रहेगी और न पानी पीने की दरकार रहेगी। तो आयु बढ़ेगी या घटेगी? बढ़ जायेगी।

Time: 34.55-35.42
Student: Does our lifespan increase by controlling the breath (*shwaas*)?
Baba: You can experience that when we are in deep remembrance (of Baba), does the process of exhaling and inhaling become slow or not? (Everyone said: It becomes slow.) So, we will also reach such a stage of remembrance in which we will neither need to eat food nor breathe nor drink water. So, will the lifespan increase or decrease? It will increase.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

समयः 36.00-38.40

जिज्ञासुः बाबा, जो बर्फ में शरीर दबेंगे ना, जो जन्म देने के निमित्त आत्मा बनती है, वो माउंट आबू के पहाड़ में दबेंगी या और कहीं भी दबेंगी?

बाबाः बर्फ तो सारी दुनिया में कहीं भी होगी।

जिज्ञासुः नहीं, वो आत्माएं सारी कहाँ इकठ्ठी होंगी?

बाबाः जो बीज रूप आत्माएं दूसरे धर्म की बीज होंगी; क्या? जो नीच ते नीच धर्म की बीज होंगी वो बाप के पास रहेंगी या दूर पड़ी रहेंगी? (सबने कहा – दूर पड़ी रहेंगी।) मान लो आर्य समाजी धर्म की बीजरूप आत्मा है और आर्य समाजियों ने बाप का आदि से लेकर के अंत तक बहुत विरोध किया है। तो सद्गुरु निंदक ठौर न पावें। तो माऊंट आबू में रहेंगी या दूसरी जगह रहेंगी? जरूर दूर रहेंगी। तो वहाँ बर्फ नहीं पड़ेगी क्या? पड़ सकती है बर्फ।

Time: 36.00-38.40
Student: Baba, the bodies that will be buried under ice, [the bodies of] the souls who become instrument for giving birth (to deities); will they be buried in the mountains of Mount Abu or anywhere else?
Baba: Ice will be anywhere in the entire world.
Student: No, where will all the souls gather?
Baba: The seed form souls which are the seeds of other religions; what? Will those who are the seeds of the lowest religions live close to the Father or far away? (Everyone said: they will live far away.) Suppose it is the seed form soul of Arya Samaj religion and the Arya Samajis have opposed the Father a lot from the beginning till the end. So, the one who defames the *Sadguru* cannot find accommodation. So, will they live in Mount Abu or will they live in some other place? They will certainly live far away. So, will there not be snowfall there?

जिज्ञासुः तो माउंट आबू के पहाड़ में कौनसी-कौनसी आत्माएं रहेंगी?

बाबाः सद्गुरु निंदक ठौर न पावें। अभी तक बुद्धि में नहीं बैठा?

जिज्ञासुः नहीं, वो तो बैठ गया।

बाबाः क्या बैठ गया?

जिज्ञासुः जो बाबा की निंदा करायेगा...

बाबाः जो तन से कोई ऐसा काम न करे जो बाप की निंदा हो, वायब्रेशन खराब करके आ जाए अपना भी और दूसरों का भी। जो धन से ऐसा कोई काम न करे जो यज्ञ का नुकसान करके आ जाए, वायब्रेशन खराब हो जाये दूसरों का, हालात खराब हो जायें, ग्लानि पैदा हो जाए। ऐसे ही मन से कोई ऐसा संकल्प न चलाए जो श्रीमत के बरखिलाफ हो। ऐसी आत्माएं नज़दीक रहेंगी और नंबरवार नज़दीक रहेंगी। अभी भी बता दिया। चार-छह साल पहले जो अव्यक्त वाणी चली थी उसमें ही ये बात बता दी- दुनिया वालों की नज़रों से बाप ओझल हो गए, छिप गये और बच्चों के सामने? प्रत्यक्ष हो गए। अभी भी जो बच्चे काम, क्रोध को नहीं छोड़ पा रहे, जबरियन जैसे पकड़े हुए हैं; तो क्रोधी बच्चों से नहीं मिलेंगे। बोला है या नहीं? ऐसे मिलने वालों की संख्या कम होती जावेगी।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Student: So, which souls will live on the mountains of Mt. Abu?
Baba: The one who defames the *Sadguru* cannot find an accomodation. Has it not sat in your intellect yet?
Student: It has sat.
Baba: What has sat?
Student: The one who defames Baba….
Baba: The one, who does not perform any task like this through his body which causes the Father's defamation or spoils the vibrations of himself as well as of the others, who does not perform any task through the wealth which brings a loss to the *yagya,* spoils the vibrations of others or spoils the atmosphere or causes defamation; similarly, no such thought should be created through the mind which is against *shrimat;* such souls will remain close (to the Father) and they will remain close to Him number wise . It was said even now; this was said in the *Avyakta vani* that was narrated four to six years ago itself: "The Father vanished, hid from the eyes of the world. And in front of the children? He was revealed". Even now the children who are unable to renounce lust [and] anger and it is as if they have forcibly clung to it; so, He will not meet the angry children. Has this been said or not? In this way the number of people who meet (the Father) will go on decreasing.

समयः 45.54-48.10

जिज्ञासुः बाबा एक मुरली में बोला है, अव्यक्त वाणी में कि बाप जब आते है तो माइक पर क्लास नहीं कराते, भरी सभा में नहीं कराते, ज्यादा संख्या में नहीं कराते।

बाबाः भरी सभा में नहीं कराते?

जिज्ञासुः ज्यादा लोगों की संख्या में नहीं कराते।

बाबाः भरी सभा में कहाँ बोला?

जिज्ञासुः ज्यादा लोगों की संख्या में नहीं कराते।

बाबाः हाँ, ज्यादा लोगों की संख्या में नहीं, जितना मुख से आवाज़ पहुँच सकती है इतने ज्यादा से ज्यादा लोग कितने हो सकते हैं?

जिज्ञासुः बाप आकर माईक पे क्लास नहीं कराते।

बाबाः माइक से क्लास नहीं चलाते। माइक माना लाउडस्पीकर।

Time: 45.54-48.10
Student: Baba, it has been said in a Murli, in an Avyakta vani that when the Father comes, He does not conduct a class on mike, He does not conduct it in a packed gathering with a large number of people.
Baba: He does not conduct [a class] in a packed gathering?
Student: He does not address to a large number of people.
Baba: It was not said about a packed gathering.
Student: He does not address to a large number of people.
Baba: Yes, He does not address to a large number of people; [He addresses] only to those many people who can hear his voice; what could be the maximum number of such people?
Student: The Father does not come conduct the class on mike.
Baba: He does not conduct the class on mike. Mike means loudspeaker.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः हां, लाउडस्पीकर।

बाबाः लाउडस्पीकर कहाँ होता है? बाप की सभा में लाउडस्पीकर कहाँ हुआ? माउंट आबू में जब तक क्लास कराया तो लाउडस्पीकर होता था क्या? हॉल ही छोटा था और अभी भी जहाँ कहीं क्लास होता है, तो लाउडस्पीकर से क्लास होता है क्या? लाउड माना तेज़ आवाज़ फेंकनेवाला वाला यंत्र। होता है क्या? जरूरत ही नहीं।

जिज्ञासुः एक दो कैसेट में देखा कि सामने माइक रखा था। तो कईयों ने क्वेश्चन किया इस बात का कि....

बाबाः वो लाउडस्पीकर होता है कि माइक होता है? माइक और लाउडस्पीकर में ही अंतर पता नहीं है।

Student: Yes, loudspeaker.
Baba: Is there any loudspeaker (here)? Was there any loudspeaker in the Father's gathering? As long as the classes were held at Mount Abu (through Brahma Baba) was there any loudspeaker [there]? The hall itself was small. And even now wherever the class is organized, does the class take place on a loudspeaker? Loud means a machine which emits loud voice. Is it kept [in the Father's class]? There is no need [of it] at all.
Student: It was seen in one or two cassettes that a mike was kept in front [of Baba]. So, many people questioned regarding this....
Baba: Is it a loudspeaker or a mike? They do not know the difference between a mike and a loudspeaker at all.

जिज्ञासुः बाहरवाले बोलते हैं ना ये, हम नहीं बोलते।

बाबाः बाहरवालों की बुद्धि जैसी है वैसी बुद्धि हम पकड़ लें क्या?

जिज्ञासुः पकड़ेंगे नहीं। जवाब की बात है ना। बाबा जवाब देंगे तो और अच्छा रहेगा।

बाबाः माइक किसे कहते हैं और लाउडस्पीकर किसे कहते हैं? लाउड[स्पिकर] माना जो आवाज़ को लाउड कर दे और माइक माने वो तो सिर्फ आवाज़ को कैच करने के लिए है। माइक तो अभी भी लगा हुआ है। ये क्या है? ये माइक ही तो है।

Student: The outsiders say so. We don't say this.
Baba: Should we also develop an intellect like the outsiders?
Student: We will not develop [an intellect like that] but we have to give a reply. It will be better if Baba gives a reply.
Baba: What is a mike and what is a loudspeaker? Loud [speaker] means something which makes the sound loud. And mike is meant only to catch the voice. A mike is attached even now. What is this? This is certainly a mike, isn't it?

जिज्ञासुः बाबा लेकिन आगे चलकर होगा ना?

बाबाः क्यों आगे चलके होगा? बाप और गुप्त होते चले जावेंगे या प्रत्यक्ष होते जावेंगे? (जिज्ञासु ने कुछ कहा।) ५०० करोड़ की दुनिया के लिए टी.वी नहीं है? ५०० करोड़ की दुनिया बाप को सम्मुख देख पायेगी क्या? (सभी- नहीं।) सारी दुनिया ५०० करोड़ पारसनाथ के नज़दीक आ पाएगी क्या? (किसीने कहा- नहीं।)

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

जिज्ञासुः फिर अनुभव कैसे करेंगे बाबा?
बाबाः थोड़े-थोड़े करके अनुभव करेंगे।

Student: Baba, but it (the classes) will take place (on a loud speaker) in future, won't it?
Baba: Why will it take place in future? Will the Father become more hidden or will He continue to be revealed? (Student said something.) Is there not the TV for the world consisting of 5 billion (500 crore) [people]? Will the world of 5 billion be able to see the Father face to face? (Everyone said: No.) Will the entire world of 5 billion be able to come close to Paarasnath? (Someone said: No.)
Student: Then how will they experience Baba?
Baba: They will experience little by little.

समयः 48.12-48.30
जिज्ञासुः बाबा बोलते हैं कि निरंतर याद रहनी चाहिए। तो निरंतर तो नहीं रह पाती।
बाबाः निरंतर अच्छे कर्म किये हैं? ६३ जन्म में निरंतर अच्छे कर्म किये हैं? (जिज्ञासु- नहीं।) तो याद कैसे रहेगी?

Time: 48.18-48.30
Student: Baba says, we should remain in a continuous remembrance. But we are unable to remember continuously.
Baba: Have you performed good actions continuously? Have you performed good actions continuously in 63 births? (Student: No.) Then, how can you remember (continuously)?

समयः 48.55-50.29
जिज्ञासुः बाबा ने बोला है जो कुछ करता हूँ मैं करता हूँ। इस सृष्टि मंच पर तुम सारी कठपुतलियां हो। तुम्हारे सारे धागे मेरी उंगलियों में होते हैं। पर्दे के पीछे से मैं उंगलियों को मटकाता हूँ और ग्लानि भी अगर करवानी होती है तो मैं कराता हूँ।
बाबाः किस समय की यादगार है? पत्ता भी तेरी सत्ता के बिगर हिल सकता नहीं। खिले न कोई फूल। ये कौनसे समय की यादगार है? अभी की यादगार है या आने वाले स्वर्णिम संगमयुग की यादगार है?
जिज्ञासुः अभी की यादगार है।
बाबाः अभी की यादगार है? अभी सारे पत्ते इशारे पे हिल रहे हैं? कि बाबा एक कराना चाहता है और करते हैं दूसरा? बाबा एक बात कहता कर लेते हैं दूसरी। बाबा एक जगह भेजना चाहता है, चले जाते हैं दूसरी जगह? अभी बाबा के संकल्पों को कैच करने के योग्य मनमनाभव बुद्धि बनी है?
जिज्ञासुः नहीं।
बाबाः फिर? फिर पत्ता भी हिल सकता नहीं वो अभी की बात है या अंत समय की गायन है?
सभीः अंत समय।

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

Time: 48.55-50.29
Student: Baba has said, "It's I who do everything. You all are puppets (*kathputlis*) on this world stage. All your strings are on my fingers. I move My fingers from behind the curtain. And even if the defamation is to be caused, it is I who cause it.
Baba: It is a memorial of which time? Even a leaf (*patta*) cannot shake without your authority (*satta*). Neither a leaf can shake without your authority nor can a flower bloom. It is a memorial of which time? Is it a memorial of the present time or the memorial of the future Golden Confluence Age *(Swarnim Sangamyug)*?
Student: Of the present time.
Baba: Is it a memorial of the present time? Are all the leaves shaking on [His] directions now? Or [does it happen like this:] Baba wants them to do something and they do something else; Baba says one thing and they do something else; Baba wants to send them to one place and they go to some other place? Has the intellect become worthy, *manmanabhav*[1] which can catch Baba's thoughts?
Student: No.
Baba: Then? Then the proverb 'even a leaf cannot shake… ' pertain to the present time or is it a praise of the end?
Everyone said: Of the end.

जिज्ञासुः लेकिन यहाँ पर ये बोला गया है कि अगर ग्लानि भी कराता हूँ तो मैं कराता हूँ। और विनाश भी कराता हूँ.....
बाबाः ये तो तुम्हारे मुख के शब्द हैं। मिक्स करके बोलना बड़ा आसान है। वो वाणी लाके दिखाओगे? चैलेंज है? कहां-कहां संग कर रहे हो?

Student: But here, it has been said that even if defamation is caused, it is caused by Me. And it is Me who causes destruction too...
Baba: These are words of your mouth. It is very easy to mix up things and speak. Will you bring and show that *vani*? Do you accept the challenge? Whose company are you keeping?

समयः 51.24-52.27
जिज्ञासुः बाबा, किसी बहन को सेंटर के सारे पते है और वैसे बाबा का सन्देश नहीं पहुँचा पा रहे हैं तो लिफाफे में एडवांस पार्टी की सत्य घोषणायें और बाबा के कुछ मुख्य बिन्दुयें, मुरली के पॉइंट वगैरह; तो वो डालकर दे सकते हैं ना बाबा?

Time: 51.24-52.27
Student: Baba, suppose some sister has the addresses of all the centers but is unable to spread the message; then can we [put] some true announcements of the Advance Party or some important points of Baba, murli points etc. in an envelope and distribute them?

बाबाः अभी तो बोला लिट्रेचर से कोई को सन्देश मिल सकता है या लिट्रेचर देने से कोई समझ सकता है क्या? (किसीने कहा-नहीं समझ सकता।) लिट्रेचर देने से सर्विस हो जाती है? कितना भी पैसा खर्च कर दो ये लिट्रेचर सेवा नहीं करेगा। सन्मुख आने से ही सेवा होती है। भक्तिमार्ग का

[1] Merged in Baba's mind

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

ज्ञान नहीं है कि मजमा को इकठ्ठा कर लिया और उनको सुना दिया और सेवा हो गई। नहीं। एक-2 को बैठ के समझाना पड़ता है।

जिज्ञासुः अगर कोई दूर है, नहीं पहूँच पा रहे हैं तो फोन से भी सन्देश दे सकते हैं ना?

बाबाः मना कौन करता है? करो।

Baba: It was said just now, can anyone receive the message by literatures or can anyone understand by distributing literatures? (Someone said: He cannot understand.) Is service done by distributing literatures? Spend any amount of money [but] these literatures will not do service. Service is done only by coming face to face [to the person]. This is not the knowledge of the path of bhakti where you gather a crowd, narrate [knowledge] to them and the service is done. No. You have to sit and explain to every person individually.
Student: If someone stays far away and we are unable to reach him, we can give him the message through the phone too, can't we?
Baba: Who is forbidding you? Do it.

समयः 59.30-01.01.38

जिज्ञासुः पिछले जन्म में किसी ने किसी को अगर चोट पहुँचाई होगी तो वो ही इस जन्म में पहुँचायेंगे। बकरी को लोग काहे काटते हैं? उसने किसको चोट पहुँचाया?

बाबाः अच्छा बकरी जो है पिछले जन्म में शेर नहीं बनी थी? नहीं बन सकती? अरे पिछले जन्म बकरी जो है शेर, बाघ, चीता बन सकती है कि नहीं बन सकती? (सभी- बन सकती है।) रीछ बन सकती है कि नहीं बन सकती?

जिज्ञासुः लेकिन बाबा रीछ रीछ की आत्मा होती है वो फिर उसी में जन्म लेती है।

बाबाः अरे चौपाये चौपाये में जन्म लेंगे। कीड़े-मकोड़े कीड़े-मकोड़ों में जन्म लेंगे। मनुष्य मनुष्यों में जन्म लेगा। हरेक की अपनी-अपनी जाति होती है।

जिज्ञासु ने कुछ कहा।

Time: 59.30-01.01.38
Student: If someone has hurt someone in the previous birth, then only that person will cause harm to him in this birth. [Then] why do people kill goats? Whom did the goat hurt?
Baba: Alright, had the goat not been a lion in the previous birth? Can it not become that? Arey, could a goat have been a lion, tiger [or] cheetah in the previous birth or not? Can it become a bear or not?
Student: But Baba, the soul of a bear is the soul of a bear [only]; it is born in the same species.
Baba: Arey, four-legged animals will be born as four-legged animals. Insects and spiders will be born as insects and spiders. Human beings will be born as human beings. Each one has its own species.
Student said something.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info

बाबाः वो कौनसा प्राणी निकला जिसके लिए अभी बात बताई वैज्ञानिकों ने कि लाखों वर्ष की हड्डियां मिली?

सबने कहाः डायनोसॉर ।

बाबाः डायनोसॉर। डायनोसॉर की जाति कहाँ चली गई? डायनोसॉर चार पांव वाला होता है या नहीं हाथ-पांव वाला? होता है। किसी जंगल में आग लग गई, सारे डायनोसॉर मर गए, एक मादा या एक नर बच गया। एक भी नहीं बचा उसका संगी साथी। तो अब उससे पैदाइश होगी कि नहीं होगी? हो सकती है या नहीं हो सकती है? हो सकती है। कोई दूसरा चौपाया मिल जाएगा दूसरी जाति का। उसके साथ नई जाति नहीं पैदा हो सकती?

जिज्ञासुः हो सकती है।

बाबाः हो सकती है। यहाँ घोड़ा गधा के साथ संग हो जाता है तो नई जाति पैदा होती है कि नहीं होती है? अरे?

जिज्ञासुः होती है।

बाबाः कोई कुत्ते का मोहडा शेर जैसा दिखाई पड़ता है कि नहीं? दिखाई पड़ता है। तो चौपाये जो हैं वो एक अलग जाति है।

Baba: Which animal was discovered recently for which the scientists said that their bones were found that are millions of years old?
Everyone said: Dinosaurs.
Baba: Dinosaur. Where did the species of the dinosaurs go? Is dinosaur four - legged or not? It is. Suppose a jungle caught fire and all the dinosaurs were killed; either a female or a male dinosaur survived. Not even one of his companions survived. Well, will that dinosaur reproduce or not? Can it reproduce or not? It can. It will mate with another four-legged animal of another species; can it not produce a new species with it?
Student: It can.
Baba: It can. Here, if a horse mates with a donkey, is a new species born or not? Arey?
Student: It is.
Baba: Do some dogs have a face like that of a lion or not? They have. So, the four-legged animals are a different species.

……

Note: The words in italics are Hindi words. Some words have been added in the brackets by the translator for better understanding of the translation.

Email id: a1spiritual@sify.com
Website: www.pbks.info